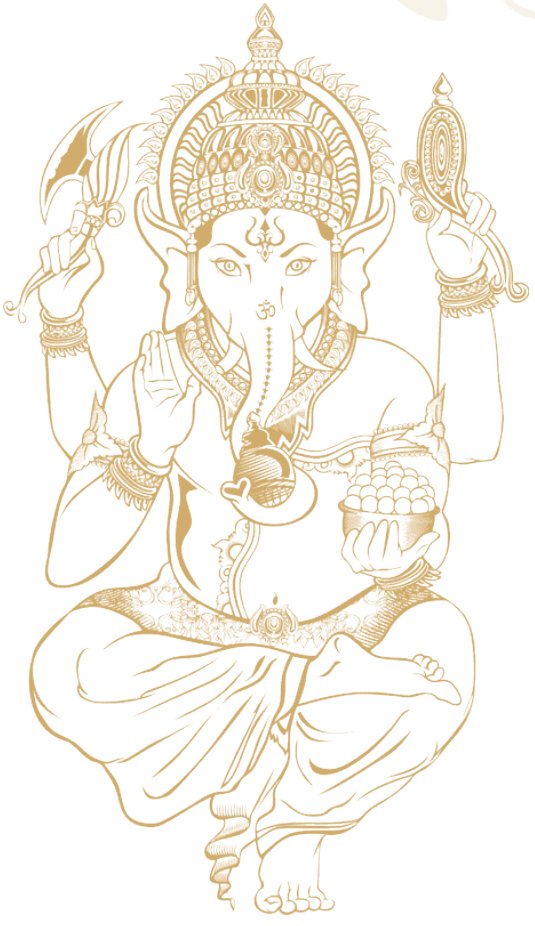

Mr. Yogesh

Ms. Jagruti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119548903

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/08/1998	जन्म तिथि	01/10/1999
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 15:06:00	जन्म समय	20:30:00 घंटे
घटी 23:25:00	जन्म समय(घटी)	35:40:19 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:44:00	सूर्योदय	06:13:52
19:09:59	सूर्यास्त	18:07:42
23:50:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:59

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 5वर्ष 11मा 2दि	18:39:23	वृश्चि	लग्न	वृष	01:30:55	राहु 17वर्ष 6मा 7दि
सूर्य	17:59:01	कर्क	सूर्य	कन्या	14:08:14	गुरु
07/07/2024	02:02:53	धनु	चंद्र	मिथु	07:01:16	09/04/2017
08/07/2030	25:29:58	मिथु	मंगल	वृश्चि	25:13:03	09/04/2033
सूर्य 25/10/2024	03:38:09	सिंह व	बुध	तुला	00:47:42	गुरु 28/05/2019
चन्द्र 25/04/2025	03:44:06	मीन व	गुरु व	मेष	08:54:09	शनि 09/12/2021
मंगल 31/08/2025	25:13:20	मिथु	शुक्र	सिंह	02:00:33	बुध 15/03/2024
राहु 26/07/2026	09:40:48	मेष	शनि व	मेष	22:25:14	केतु 19/02/2025
गुरु 14/05/2027	07:45:27	सिंह व	राहु व	कर्क	17:26:50	शुक्र 21/10/2027
शनि 25/04/2028	07:45:27	कुंभ व	केतु व	मक	17:26:50	सूर्य 09/08/2028
बुध 02/03/2029	16:53:13	मक व	हर्ष व	मक	19:12:18	चन्द्र 09/12/2029
केतु 07/07/2029	06:37:34	मक व	नेप व	मक	07:46:51	मंगल 14/11/2030
शुक्र 08/07/2030	11:29:57	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	14:24:14	राहु 09/04/2033

लग्न-चलित

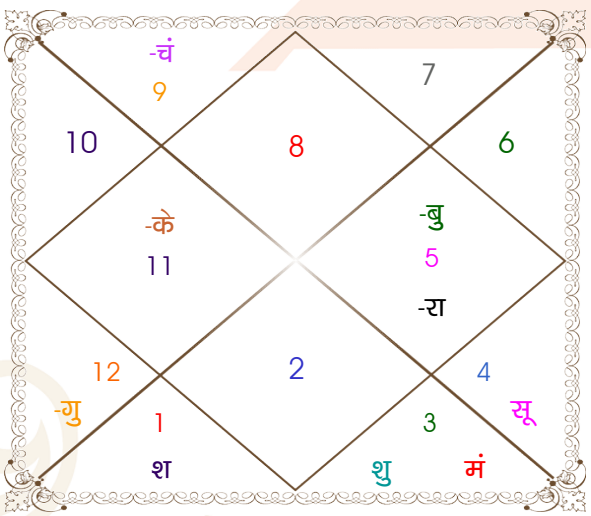

लग्न-चलित

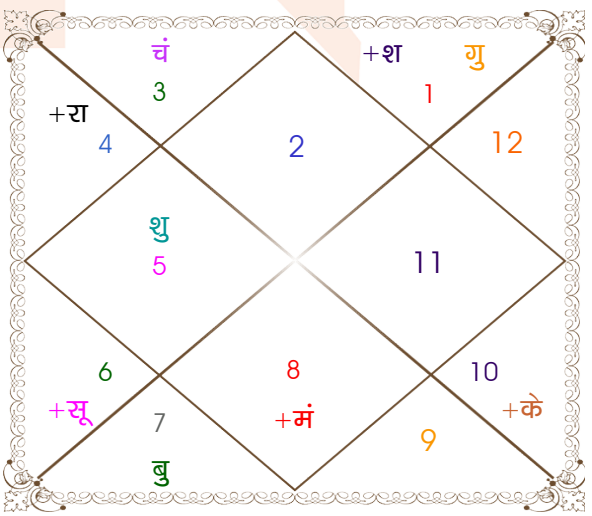

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	श्वान	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डेण श्रंहतनजप का नक्षत्र आर्द्रा है।

डतण ल्वहमेी का वर्ग मृग है तथा डेण श्रंहतनजप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ल्वहमेी और डेण श्रंहतनजप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ल्वहमेी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

डेण श्रंहतनजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण श्रंहतनजप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण श्रंहतनजप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण ल्वहमेी कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण ल्वहमेी तथा डेण श्रंहतनजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।